शासकीय रानी सूर्यमुखी देवी महाविद्यालय, छुरिया, जिला–राजनांदगांव (छ.ग.)

बी.ए. भाग–तीन, आंतरिक मूल्यांकन

हिन्दी साहित्य, प्रथम प्रश्न पत्र–जनपदीय भाषा साहित्य (छत्तीसगढ़ी)

Time – Three Hours

अंक – 10

नोट – कोई भी एक प्रश्न हल कीजिये –

प्र. 1. निम्नलिखित पद्यांश का सप्रसंग व्याख्या कीजिए :–

दू हाथ बढ़ाये आघू, हो जाये जम्मपों काज रे।
बूता सुरु हो जाथे, जब ले लेथस अनताज रे।
जांगर पेरे तो भुइयॉ म, अनपुरना के राज रे।
माटी सोन्ना होही, पछीना चुचवाही आज रे।
देह जुड़ही झटकुन, परिही जब जोरहा घाम रे।

अथवा

छत्तीसगढ़ी साहित्य की विकास यात्रा पर एक निबंध लि‍खिए ?

शासकीय रानी सूर्यमुखी देवी महाविद्यालय, छुरिया, जिला–राजनांदगांव (छ.ग.)

बी.ए. भाग–तीन, आंतरिक मूल्यांकन

हिन्दी साहित्य, द्वितीय प्रश्न पत्र–हिन्दी भाषा साहित्य का इतिहास एवं काव्यांग विवेचन

Time – Three Hours

अंक – 10

नोट – कोई भी एक प्रश्न हल कीजिये ?

प्र. 1. आदिकालीन वीरगाथात्मक काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों की विवेचना कीजिए ?

अथवा

अलंकार किसे कहते है ? उनके प्रकारों को विस्तार से उदाहरण सहित समझाइए।